पूरे भारत में लीची की खेती का विस्तार

चर्चा में क्यों?

परंपरागत रूप से बिहार के मुज़फ्फरपुर ज़िले तक सीमित रहने वाली **लीची** की कृषि में **19 भारतीय राज्यों में महत्त्वपूर्ण विस्तार** देखा गया है, जो भारत में बागवानी को बढ़ावा देता है।

- यह विकास बिहार के मुज़फ्फरपुर स्थित **राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र (National Research Centre on Litchi- NRCL)** के प्रयासों से हुआ है।

//

मुख्य बिंदु:

- **वनस्पति वर्गीकरण**: लीची **सैपिन्डेसी परिवार (Sapindaceae family)** से संबंधित है और अपने स्वादिष्ट, रसीले, पारदर्शी एरिल (translucent aril) या खाने योग्य गूदे के लिये जानी जाती है।
- **जलवायु:** लीची मुख्यतः **उपोष्णकटिबंधीय जलवायु में उत्पादित होती है और नम स्थितियाँ** इसकी खेती के लिये अनुकूल होती हैं। इसकी फसल के लिये कम ऊँचाई वाले क्षेत्रों में, लगभग 800 मीटर की ऊँचाई तक, आदर्श जलवायु होती है।
- **मृदा:** लीची की खेती के लिये आदर्श मिट्टी कार्बनिक पदार्थों से भरपूर **गहरी, अच्छे जल निकासी वाली दोमट मिट्टी** होती है।
- **तापमान:** लीची अत्यधिक तापमान के प्रति संवेदनशील है। यह गर्मियों में 40.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान या सर्दियों में ठंडे तापमान को सहन नहीं कर सकती है।
- **वर्षा का प्रभाव:** लंबे समय तक वर्षा, विशेषकर फूल आने के दौरान, इसके परागण में बाधा उत्पन्न कर सकती है तथा फसल पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।
- **भौगोलिक कृषि:** भारत में वाणिज्यिक कृषि परंपरागत रूप से उत्तर में **त्रिपुरा से लेकर जम्मू-कश्मीर तक** हिमालय की तलहटी पहाड़ियों तथा **उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के मैदानी इलाकों** तक ही सीमित थी।
  - **भारत के लीची उत्पादन का लगभग 40%** मात्र बिहार में होता है। बिहार के बाद पश्चिम बंगाल (12%) तथा झारखंड (10%) का स्थान है।
- **वैश्विक उत्पादन:** चीन के बाद **भारत विश्व स्तर पर लीची का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक** है। अन्य प्रमुख लीची उत्पादक देशों में थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण-अफ्रीका, मेडागास्कर तथा संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।

उद्यान कृषि:

- **परिचय:**
  - उद्यान कृषि (हॉर्टीकल्चर) से तात्पर्य फलों, सब्ज़ियों, फूलों, सजावटी पौधों तथा अन्य **फसलों की कृषि के विज्ञान, कला एवं अभ्यास** से है।
  - इसमें मानव उपयोग तथा उपभोग के लिये **पौधों की खेती, प्रबंधन, प्रसार एवं सुधार से संबंधित गतिविधियों** की एक विस्तृत शृंखला शामिल है।
- **उद्यान कृषि के लिये पहल:**
  - **एकीकृत उद्यान कृषि विकास मिशन**:
    - **एकीकृत उद्यान कृषि विकास मिशन** (Mission for Integrated Development of Horticulture- MIDH) फलों, सब्ज़ियों और अन्य क्षेत्रों को कवर करने वाले उद्यान कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिये एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
    - MIDH के तहत, भारत सरकार सभी राज्यों में विकासात्मक कार्यक्रमों के लिये कुल परिव्यय का 60% योगदान देती है (उत्तर पूर्वी और हिमालयी राज्यों को छोड़कर जहाँ केंद्र सरकार 90% योगदान देती है) तथा 40% योगदान राज्य सरकारों द्वारा दिया जाता है।
  - **उद्यान कृषि क्लस्टर विकास कार्यक्रम:**
    - यह एक **केंद्रीय क्षेत्र का कार्यक्रम** है जिसका उद्देश्य चिह्नित उद्यान कृषि समूहों को विकसित करना और उन्हें विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी बनाना है।
    - 'उद्यान कृषि क्लस्टर' लक्षित उद्यान कृषि फसलों का एक क्षेत्रीय/भौगोलिक संकेंद्रण है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/expansion-of-litchi-cultivation-across-india-1